बहमनी साम्राज्य: 1347 to 1527 CE

- सामान्य परिचय
- प्रमुख शासक
  - अलाउद्दीन बहमन शाह (1347-58)
  - मुहम्मद शाह प्रथम (1358-75)
  - दाऊद शाह बहमनी (1378)
  - ताज-उद-दीन फ़िरोज़ शाह (1397-1422)
  - अहमद शाह प्रथम वली (1422-36)
  - हुमायूं शाह जालिम (1458-61)
  - अंतिम शासक - कलीमुल्लाह शाह
- स्वतंत्र राज्य
- प्रशासन

सामान्य परिचय

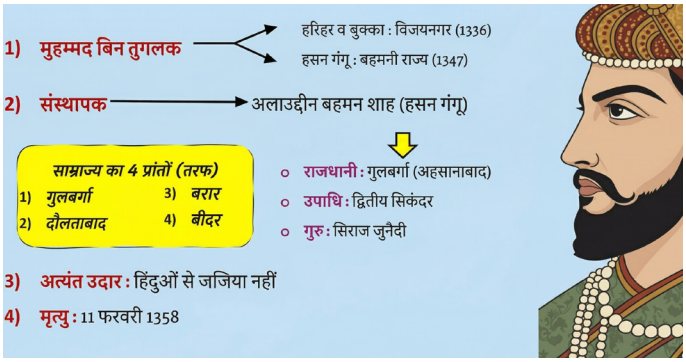

अन्य प्रमुख शासक

1. जफर खां मुहम्मद प्रथम (1358-1375)

- बहमनी का महानतम शासक
- बारूद का प्रयोग
  - बुक्का प्रथम के विरुद्ध
  - 1367, कौलटम
- 8 मंत्रियों की परिषद्
- गुलबर्गा की बड़ी मस्जिद → एकमात्र मस्जिद जहां आंगन नहीं
- प्रधानमंत्री → सैफुद्दीन गौरी
- प्रांतों(तरफ) में गवर्नर (तरफदार) की सहायता हेतु तरफदार विशेष विरुद्ध नामक अधिकारी की नियुक्ति

प्रांत (तरफ़)	*विशेष विरुद्ध*
दौलताबाद	मसनद-ए-आली
बरार	मजलिस-ए-आली
बीदर	अजाम-ए-हुमायूँ
गुलबर्गा	मालिक नायब

2. ताजुद्दीन फिरोजशाह (1397 to 1422)

- महान शासक
- कुरान की नकल करके अपनी जीविका का उपार्जन
- **फिरोजाबाद (कर्नाटक, भीमा नदी)** की स्थापना
  - फिरोजाबाद में जंतर मंतर
- सोनार की बेटी का युद्ध (1406)
  - फिरोज शाह और विजयनगर के देव राय प्रथम
  - **कारण** - तुंगभद्रा दोआब व पार्थल नामक एक सुनार की पुत्री
  - **परिणाम** - फिरोजशाह की हार
- प्रशासन में हिंदुओं को बड़े पद
- प्रमुख बंदरगाह
  - चौल (रायगढ़, महाराष्ट्र)
  - दभोल (महाराष्ट्र)

3. शिहाबुद्दीन अहमद शाह (1422-1436)

- राजधानी → गुलबर्गा से बीदर (मुहम्मदाबाद)
- अन्य नाम → वली या संत
- सूफी संत गेसुदराज के समकालीन

4. हुमायूं (1458-1461)

- फरिश्ता → अत्यंत क्रूर (दक्षिण का नीरो)
- अफ़ाफियों को शासन में महत्व → पश्चिम एशियाई मुस्लिम
- मलिक नायक का पद → महमूद गवां (अत्यंत योग्य)

5. शम्सुद्दीन मुहम्मद तृतीय "गाजी" (1463-1482)

- राज्यारोहण के समय आयु → 9-10 वर्ष
- प्रधानमंत्री → महमूद गवां
  - उपाधि - ख्वाजा जहां
  - महमूद गवां का युग
  - 1482 में मुहम्मद तृतीय द्वारा फांसी
- 1470 रूसी यात्री निकितन का आगमन

महमूद गवां का युग (1463-82)

1. मूल नाम: ख्वाजा निज़ामुद्दीन महमूद गिलानी
2. मूल निवासी : ईरान (अफ़ाकी)
3. उपाधि: ख्वाजा जहां
4. सुल्तान मुहम्मद तृतीय द्वारा प्रधानमंत्री
5. खालसा भूमि में वृद्धि
6. साम्राज्य भूमि की व्यवस्थित पैमाईश : तंगा नामक पैमाना
7. बीदर में एक भव्य महाविद्यालय (मदरसा)
8. पत्रों का संग्रह : रियाजुल इंशा
9. मीडोज टेलर : अंत की शुरुआत
   - ठग के इकबालिया बयान

चांद बीबी

1. अहमदनगर के हुसैन निज़ाम शाह प्रथम की बेटी
2. भाई: अहमदनगर के सुल्तान बुरहान निज़ाम शाह द्वितीय
3. विवाह: बीजापुर के सुल्तान अली आदिल शाह प्रथम।
4. 1580-90 के दौरान इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय के अधीन बीजापुर और 1595-1599 तक बहादुर शाह के अधीन अहमदनगर सल्तनत की संरक्षिका।
5. चांद बीबी 1595 में अकबर की मुगल सेना से अहमदनगर की सफलतापूर्वक रक्षा करने के लिए प्रसिद्ध हैं।
6. वह कई भाषाएँ जानती हैं, जैसे अरबी, तुर्की, फ़ारसी, कन्नड़ और मराठी।
7. वह एक कुशल सितार वादक होने के साथ-साथ चित्रकार भी थीं।
8. उसका शौक फूलों की पेंटिंग करना था।

बहमनी साम्राज्य का पतन

- अंतिम शासक - कलीमुल्ला
  - 5 स्वतंत्र राज्य

राज्य	राजवंश	संस्थापक	संस्थापन वर्ष
1) बीजापुर	आदिलशाही	युसुफ आदिल खाँ	1489
2) अहमदनगर	निजामशाही	मलिक अहमद	1490
3) बरार	इमादशाही	फतेहउल्ला इमादशाह	1490
4) गोलकुण्डा	कुतुबशाही	कुलीशाह/कुतुबशाह	1512
5) बीदर	बरीदशाही	अमीर अली बरीद	1527

बहमनी साम्राज्य : प्रशासन

मंत्री	विभाग
1) वकील-ए-सल्तनत	दिल्ली के मलिक नायब के समान
2) वकील-ए-कुल	मंत्रियों के कार्यों का निरीक्षण (वकील को छोड़कर)
3) अमीर-ए-जुमला	अर्थ विभाग का अध्यक्ष
4) वजीर-ए-अशरफ	विदेश नीति एवं दरबार संबंधी कार्यों का निष्पादन
5) नाजिर	वह अर्थ विभाग से संबंधित था
6) पेशवा	वकील-ए-सल्तनत का सहायक था
7) कोतवाल	नगर का मुख्य पुलिस अधिकारी था
8) सद्रे-ए-जहाँ	न्याय विभाग, धर्म तथा दान विभाग का अध्यक्ष

1. **साख-ए-खेल (सर-ए-नौबत):** सुल्तान के महल तथा दरबार की सुरक्षा
2. **बीजापुर के शासक अली आदिलशाह : सूफी**
   - दरबार में कैथोलिक मिशनरियों को बुलाया
   - पुस्तकालय का अध्यक्ष : प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वामन पंडित
   - उत्तराधिकारियों : संस्कृत एवं मराठी भाषा को प्रश्रय
3. **इब्राहिम आदिलशाह द्वितीय : अबला बाबा या गरीबों का दोस्त या जगत् गुरु**
   - पुस्तक : किताब-ए-नौरस
   - नई राजधानी : नौरसपुर
   - पंढरपुर को अनुदान
4. **मुहम्मद कुली कुतुबशाह (1591-92) :**
   - हैदराबाद शहर को बसाया
   - हैदराबाद के बीच में चार मीनार
   - चारों दिशाओं में चार ऊँचे मेहराब : प्रत्येक की ऊँचाई 48 मी.
5. **इब्राहिम रौजा व गोल गुंबद : बीजापुर**
   - इब्राहिम रौजा (मकबरा) : आदिल शाही वंश के छठे सुल्तान इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय ने 1626 ईस्वी में
   - **गोल गुंबद:** बीजापुर, कर्नाटक में स्थित मुहम्मद आदिल शाह का मकबरा है, जिसे 1656 में पूरा किया गया था

गोल गुंबद : बीजापुर, कर्नाटक में स्थित मुहम्मद आदिल शाह का मकबरा है, जिसे 1656 में पूरा किया गया था. यह दुनिया के सबसे बड़े अनसहारा (बिना किसी सहारे के) गुंबदों में से एक है, और अपने फुसफुसाने वाले गलियारे के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ हल्की सी आवाज़ भी कई बार गूंजती है.

स्मारक	देश	टिप्पणियाँ
गोल गुम्बज	बीजापुर	मुहम्मद आदिल शाह (1656 ई.) का मकबरा, जिसमें एशिया का सबसे बड़ा गुम्बद (53.4 मीटर ऊँचा) और फुसफुसाती गैलरी है।
चारमीनार	हैदराबाद	मुहम्मद कुली कुतुब शाह द्वारा निर्मित; दक्कन वास्तुकला का एक मील का पत्थर।
गोलकुंडा किला	हैदराबाद	इसका निर्माण कुतुब शाहीस द्वारा किया गया है, जो उन्नत ध्वनिक इंजीनियरिंग के लिए जाना जाता है।
जामा मस्जिद	गुलबर्गा	➤ बहमनी सुल्तान मोहम्मद शाह I : अद्वितीय गुंबदों और मीनारों वाली मस्जिद।
महमूद गवान का मदरसा	बीदर	➤ महमूद गवान ➤ 1,000 छात्रों के लिए स्थान
इब्राहिम रोज़ा	बीजापुर	➤ इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय ➤ ताजमहल से प्रेरित : जटिल फ़ारसी शैली की वास्तुकला वाला एक मकबरा
सोला खंबा मस्जिद	बीदर	कुबिल सुल्तानी